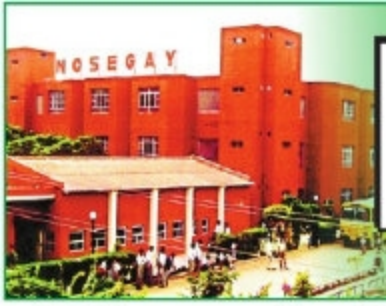

NOSEGAY TIMES

Title No. RNI RAJBIL01637

• No : 02 • Year : 03 • May, 2016 • For Nosegay Public School Circulation only • Website : www.nosegaypublicschool.com

JEE (Main) में नोजगे विद्यार्थियों का चयन

श्रीगंगानगर। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2016 (जेईई मैन) में नोजगे के ग्यारह विद्यार्थी सफल हुए हैं। बारहवीं की परीक्षा के साथ- साथ ही इन विद्यार्थियों ने इस परीक्षा की तैयारी कर ली और इस परीक्षा में सफल हो गए हैं। गौरतलब है कि आईआईटी और अन्य शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थानों में इसी प्रवेश परीक्षा के जरिए दाखिला मिलता है। नोजगे के प्रबंध निदेशक प्रो.पी.एस. सूदन ने बताया कि इस परीक्षा में नोजगे स्कूल के कई विद्यार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी थी, इनमें से ग्यारह विद्यार्थी सफल हुए हैं। पढ़ाई के साथ- साथ इन विद्यार्थियों ने जेईई मैन की तैयारी की और यह सफलता हासिल की। इसके लिए विद्यार्थियों के साथ- साथ शिक्षण स्टाफ बधाई का पात्र है। इसके लिए स्कूल में खुशी का माहौल है, क्योंकि इलाके का यह पहला स्कूल है, जिसमें बारहवीं कक्षा नियमित करने वाले विद्यार्थी इस परीक्षा में सफल हुए हैं। सफल होने वाले विद्यार्थियों में आदित्य नागपाल, अंकित सहारण, आशुतोष गोयल, देवांश जिंदल, गौरव यादव, गौरव सहारण, कृतिका लखोटिया, कृतिका मुंडेजा, निपुन कटारिया, रचित मिड्ढा व सक्षम शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि अप्रेल माह में यह परीक्षा 132 शहरों में आयोजित की गई इस ऑनलाइन एवं ऑफलाइन परीक्षा में 12 लाख विद्यार्थी शामिल हुए थे, इनमें से इस परीक्षा में 1 लाख 98 हजार विद्यार्थी पास हुए हैं।

सीबीएसई द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, जनरल कैटेगरी के विद्यार्थियों के लिए जेईई (एडवांस्ड) का कट ऑफ स्कोर 100 था, जबकि ओबीसी विद्यार्थियों के लिए यह 70 था। करीब 40,000 लड़कियों ने जेईई (एडवांस्ड) परीक्षा के लिए क्वालीफाई किया है। देश के तमाम एनआईटी, आईआईआईटी, अन्य केंद्रीय वित्तीय सहायता प्राप्त तकनीकी संस्थानों, इस सिस्टम में शामिल हो चुके राज्यों के संस्थानों और अन्य संस्थानों में 12वीं कक्षा में प्राप्तांक और जेईई (मेन) परीक्षा के प्रदर्शन के आधार पर इंजीनियरिंग अंडरग्रेजुएट कोर्सेज में दाखिला होता है। इस परीक्षा में सफल हुए विद्यार्थी जेईई एडवांस परीक्षा में शामिल होंगे, जो कि 23 मई को आयोजित की जाएगी। नोजगे स्कूल के प्रबंध निदेशक ने बताया कि अगले साल से इंजीनियरिंग अंडर ग्रेजुएट कोर्सेज में दाखिले के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) में रैंकिंग निर्धारण में 12वीं कक्षा के अंक निर्धारक तत्व नहीं होंगे। यानी अगले वर्ष से जेईई रैंकिंग में 12वीं कक्षा में आए नंबरों का कोई रोल नहीं होगा। इस संबंध में मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने कहा है कि आईआईटी परिषद द्वारा गठित एक समिति द्वारा जेईई पैटर्न में बदलावों की सिफारिश सौंपे जाने के बाद यह फैसला लिया गया है। इन सिफारिशों को व्यापक परामर्श के लिए लोगों के बीच रखा गया था। बारहवीं कक्षा के प्राप्तांकों से सिर्फ यह तय होगा कि छात्र प्रवेश परीक्षा में बैठने के योग्य है या नहीं। अगले वर्ष इस परीक्षा में बैठने के लिए छात्र को 12वीं में कम से कम 75 फीसदी अंक हासिल करने होंगे या फिर इसमें वही छात्र बैठ सकेंगे जिनका स्थान संबंधित परीक्षा बोर्ड के टॉप 20 परसेंटाइल में होगा। अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों के लिए न्यूनतम अंक 65 फीसदी होंगे। परीक्षा की बाकी शर्तें वैसी ही रहेंगी।

श्रेय स्कूल स्टाफ व अभिभावकों को

इस परीक्षा में सफल विद्यार्थियों से बातचीत की गई तो इन विद्यार्थियों ने बताया कि इस विद्यालय में हर विषय के लिए प्रशिक्षित व अनुभवी स्टाफ कार्यरत है। इसी की बदौलत उन्होंने यह सफलता हासिल की है। अधिकांश जगह विद्यार्थियों को बारहवीं कक्षा पास करने के साथ- साथ फाउंडेशन कोर्स या परीक्षा के बाद कौचिंग संस्थानों से विशेष कोर्स करना पड़ता है, तब उन्हें यह सफलता हासिल होती है। जबकि इस स्कूल में सभी विषयों के स्टाफ नियमित पढ़ाई के साथ- साथ ही ऐसे टिप्स दे जाते हैं, जो इस तरह की परीक्षाओं के लिए बहुत उपयोगी साबित होता है। सफल विद्यार्थियों ने स्कूल स्टाफ के साथ- साथ इस सफलता का श्रेय अभिभावकों को भी दिया और कहा कि उनके आशीर्वाद से ही उन्होंने यह सफलता हासिल की है। अब एडवांस परीक्षा के लिए तैयारी कर रहे हैं।

अंकित सहारण
पिता का नाम : रामकुमार सहारण
मां का नाम : राजेश्वरी सहारण

निपुन कटारिया
पिता का नाम : मुकेश कटारिया
मां का नाम : अंजु कटारिया

आदित्य नागपाल
पिता का नाम : पुरुषोतम दास
मां का नाम : सुमन

रचित मिड्ढा
पिता का नाम : अनिल कुमार मिड्ढा
मां का नाम : ज्योति अरोड़ा

गौरव सहारण
पिता का नाम : नरेन्द्र कुमार सहारण
मां का नाम : लक्ष्मी सहारण

कृतिका लखोटिया
पिता का नाम : वेदप्रकाश लखोटिया
मां का नाम : बबीता लखोटिया

आशुतोष गोयल
पिता का नाम : नवीन गोयल
मां का नाम : अंजु गोयल

कृतिका मुंडेजा
पिता का नाम : सतीश कुमार मुंडेजा
मां का नाम : लक्ष्मी मुंडेजा

गौरव यादव
पिता का नाम : नरेश कुमार यादव
मां का नाम : सुमित्रा यादव

सक्षम आहूजा
पिता का नाम : पवन कुमार आहूजा
मां का नाम : रश्मि आहूजा

देवांश जिंदल
पिता का नाम : सुशील जिंदल
मां का नाम : अनु जिंदल

नोजगे की पल्लवी जैन देश में प्रथम

श्रीगंगानगर। कॉमर्स टेलेन्ट सर्च एग्जामीनेशन फाउंडेशन के तत्वावधान में हुई वाणिज्य प्रतिभा खोज परीक्षा में नोजगे की पल्लवी जैन पूरे देश में प्रथम स्थान पर रही। यह परीक्षा 18 दिसम्बर को आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में पूरे देशभर के 400 विद्यालयों के 20 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया था। नोजगे स्कूल में इस परीक्षा की समन्वयक मंजु अग्रवाल ने बताया कि इस परीक्षा में प्रथम स्थान हासिल करने वाली पल्लवी जैन को उपहार स्वरूप लैपटॉप, ट्रॉफी व प्रमाण पत्र दिया गया है। इसके अलावा इस परीक्षा में स्कूल स्तर पर भी पुरस्कार वितरण किए गए। स्कूल स्तर पर बारहवीं कक्षा की पल्लवी जैन को प्रथम, राशिका वाट्स को द्वितीय व अशोक गुप्ता को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी तरह ग्यारहवीं कक्षा के गौरव गर्ग को प्रथम, मानवी बैराठी को द्वितीय तथा शोभित बलाना को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इन्हें फाउण्डेशन की ओर से ट्रॉफी व प्रमाण पत्र दिया गया है। इस उपलब्धि पर नोजगे के प्रबंध निदेशक डॉ.पी.एस.सूदन ने सफल विद्यार्थियों व स्टाफ को बधाई दी।

बैसाखी पर बाल नृत्य प्रस्तुति

श्रीगंगानगर। बैसाखी पर्व के उपलक्ष्य में नोजगे किंडरगार्टन की ओर से विशेष कार्यक्रम हुआ। पंजाब की संस्कृति को जीवंत रखते हुए इस समारोह में नन्हें-मुन्नों द्वारा विभिन्न दृश्यों को मंचित किया गया। किसानों की पृष्ठभूमि को दर्शाते दृश्यों में बालक कहीं भूमि को उपजाऊ बनाते नजर आ रहे थे, कहीं बीज बोने हेतु भूमि खोदते, तो कहीं फसल पकने पर नृत्य करते नजर आ रहे थे। फसल पकने पर किसानों की खुशी छिपाए नहीं छिपती, कुछ ऐसे ही हावभाव से किसान बने बालक अपने नन्हें-नन्हें हाथों से फसल काटते एवम् बेचने हेतु पर्याप्त मोलभाव करते अत्यन्त आकर्षक दिखाई दे रहे थे।

विद्यालय प्रशासन का सदैव यही प्रयास रहा है कि शैशवकाल से ही बालक देश की सभ्यता एवम् संस्कृति से रुबरु हो, इसी प्रयास के चलते प्रत्येक उत्सव एवम् धर्म से परिचित कराने के लिए विद्यालय में समय-समय पर ऐसे कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया जाता है। बैसाखी पर्व पर बालकों ने शब्द गाए, कविताएं प्रस्तुत की एवं भंगड़ा व गिद्दा नृत्य कर पूरे वातावरण को पंजाबमय बना दिया। बालको द्वारा 'पंज प्यारे' के दृश्य को भी मंचित किया गया। बालकों एवम् अभिभावकों ने पूरे दृश्य का आनंद लिया। इस मौके पर विद्यार्थियों को बैसाखी के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्हें बताया गया कि गुरु गोविंद सिंह ने वैशाख माह की षष्ठी को खालसा पंथ की स्थापना की थी, जिस कारण बैसाखी पर्व मनाया जाता है। बैसाखी पर्व पंजाब सहित उत्तर एवं पूर्व भारत में बड़े ही उत्साह और उमंग से मनाया जाता है। इस समय रबी की फसल पकने से किसानो के चेहरे की चमक देखने लायक होती है। पृथ्वी से अच्छी फसल का तैयार होना कुदरत की देन है। किसान अच्छी फसल की पैदावार होने के लिए कुदरत का धन्यवाद नाच-गान के जरिये करते है और इस खुशियो को लोग एक दूसरे के घर जाकर बांटते है। हर वर्ष बैसाखी 13 अप्रेल को मनाया जाता है। बैसाखी की कथा इतिहास में वैशाखी पर्व का विशेष महत्व है। पौराणिक कथाओ के अनुसार ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना इसी दिन की थी। त्रेता युग के मर्यादा पुरुषोत्तम राम का राज्याभिषेक बैशाखी के दिन हुआ था अतः बैशाखी पर्व को महापर्व कहा जाता है। इतिहास के पन्नो में इसी दिन महाराजा विक्रमादित्य ने श्री विक्रमी सवंत का शुभारम्भ किया था जबकि सिखो के दूसरे गुरु अंगद देव का जन्म बैशाखी के दिन ही हुआ था। यह पर्व फसल के तैयार होने के खुशी में मनाया जाता है। रबी फसल जैसे गेंहु, दलहन, तिलहन, तथा गन्ने की फसल इस मौसम में किसानो को प्राप्त होती है। उत्तर भारत तथा पूर्व भारत में बैशाखी पर्व का विशेष महत्व है। किसान फसल को देखकर अपने उत्साह और उमंग को रोक नही पाते है और नाचने-गाने लगते है। बैसाखी के दिन किसान सर्वप्रथम फसल को अग्नि देव को अर्पित करते है फिर इस फसल से पके भोजन को ग्रहण करते है। इसके अलावा बैसाखी के दिन सूर्य मेष राशि में प्रवेश करते है। इस दिन से हिंदी नववर्ष का शुभारम्भ होता है। लोग इस दिन नये साल के रूप में मनाते है। बैशाखी के दिन उत्तर भारत में माँ दुर्गा तथा भगवान शिव जी की पूजा की जाती है। सार्वजनिक जगहों पर नृत्य गान और लोकसंगीत के कार्यक्रम विभिन्न कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया जाता है। बैशाखी के दिन लोग नए वस्त्र पहनते है तथा घरो में विशेष पकवान पकाया जाता है। लोग एक दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं देते है और मिठाइयां बांटते है।

'रेन एंड फन पार्टी

श्रीगंगानगर। नोजगे पब्लिक स्कूल, श्रीगंगानगर में त्रिदिवसीय रेन एंड फन पार्टी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 11 मई से 13 मई तक चला। कार्यक्रम नोजगे पब्लिक स्कूल एवं फन वर्ल्ड के संयुक्त तत्वावधान में कक्षा प्रथम से तृतीय तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया। संस्था का सदैव यही प्रयास रहता है कि बच्चों को विद्यालय में पारिवारिक वातावरण ही मिले, इसलिए समय-समय पर शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ ऐसी मनोरंजन गतिविधियों को आयोजन किया जाता है।

फन पार्टी में बच्चों के लिए विशेष रूप से तरणताल बनाए गए थे। सभी तरणताल विभिन्न प्रकार के फव्वारों व खेलसंसाधानों से सुसज्जित थे। पानी की रिमझिम फुहारों के बीच झूलों में झूलते, खिलौनों से खेलते एवम् संगीत पर नृत्य करते बच्चे बहुत आकर्षक लग रहे थे। विद्यार्थियों ने प्रफुल्लित मन से पूरे कार्यक्रम का आनंद लिया एवं विद्यालय का वातावरण खुशनुमा बना दिया।

नागरिक सुरक्षा विभाग का आपदा प्रबंधन शिविर

श्रीगंगानगर। नोजगे पब्लिक स्कूल में नागरिक सुरक्षा विभाग श्रीगंगानगर' द्वारा आपदा प्रबंधन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नागरिक सुरक्षा विभाग के प्रभारी निर्मल जैन ने विद्यार्थियों को आग की भयावह स्थिति से निपटने के पर्याप्त गुर बताए।

जैन ने बताया कि आग तीन संभावित कारणों से लगती है- ज्वलनशील पदार्थ, उचित तापमान व ऑक्सीजन। आग लगने की स्थिति में तुरंत प्रभावी उपायों द्वारा दुर्घटना पर काबू पाया जा सकता है अग्निशमन यंत्र को सर्वाधिक उपयोगी बताते हुए उन्होंने इसके पर्याप्त उपयोग की जानकारी दी।

हम दैनिक जीवन में गैस सिलैण्डर में गैस लीक होने, कार के इंजन में आग लगने एवं एयर कंडीशनरमें शार्ट सर्किट जैसी घटनाओं से रूबरू होते हैं। अतः इन घटनाओं पर काबू पाने के लिए अग्नि शमन यंत्र के प्रयोग को प्राथमिकता देकर यंत्र के प्रयोग की जानकारी भी शिविर में दी गई। यंत्र न होने की स्थिति में भी कुछ सावधानियां रखकर आग पर कैसे काबू पाया जा सकता है। इसके लिए जैन ने बताया कि गैस सिलैण्डर में आग लगने पर संभव हो तो सिलैण्डर के नॉब को बंद कर देना चाहिए अन्यथा सिलैण्डर पर गीला कपड़ा डाल देना चाहिए जिससे ऑक्सीजन मिलनी बंद हो जायेगी और सिलैण्डर फटेगा नहीं। गर्म तेल में आग लगने पर तुरन्त गीला तौलिया डालकर आग को बुझाया जा सकता है। एयरकन्डीशनर में आग लगने पर पूरा कमरा धुएँ से भर जाता है, ऐसी स्थिति में रेंग कर कमरे से बाहर निकलकर जीवन बचाया जा सकता है।

तत्पश्चात वार्डन वेद प्रकाश सुथार एवं वार्डन ब्रज लाल शर्मा ने विद्यार्थियों को आग लगने पर अग्नि शमन यंत्र की प्रायोगिक जानकारी दी। अंत में निर्मल जैन ने विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं वाहन चालकों से अग्नि बचाव संबंधी प्रश्न पूछे व प्रमाण पत्र देकर उन्हे सम्मानित किया।

विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती सुरेन सूदन ने निर्मल जैन को ऐसी महत्त्वपूर्ण जानकारी देने हेतु अपना अमूल्य समय देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

Edited By : Manisha Aggarwal

Photo Journalist : Iqbal Singh Dhillon

विदाई समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

श्रीगंगानगर। नोजगे पब्लिक स्कूल में कक्षा बारहवीं के वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। शाला प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात् विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। प्रतिभावान विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। सत्र 2015-16 में शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में पल्लवी जैन, एकजोत कौर, अस्मिता चाचन, नीतिशा चांडक को 'सोलिटेयर' अवार्ड से सम्मानित किया गया। सर्वोत्तम शैक्षणिक परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में राशिका वाट्स, अंचित मिङ्गा, अशोक गुप्ता एवम् रीतिका जाखड़ को 'एमराल्ड' अवार्ड से सम्मानित किया गया। सर्वोत्तम सह-शैक्षणिक परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में तृषा वर्मा, अदिति नेयोल, अर्पिता गुप्ता, पल्लवी शर्मा, साक्षी सहारण को 'डायमंड' अवार्ड से सम्मानित किया गया। सत्र के सभ्य एवम् सुसंस्कृत विद्यार्थियों में यश कंडोई, अरमान, भावना मुटनेजा एवम् सहजबीर सिंह को 'रूबी' अवार्ड से सम्मानित किया गया। अन्य विद्यार्थियों को भी स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

विद्यार्थियों ने भी शिक्षकों के साथ बिताए मार्मिक पलों को याद किया एवं गीतों व कविताओं के माध्यम से शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। अंत में संस्था प्रधान ने विद्यार्थियों को खुशहाल व उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

विज्ञान संकाय का विदाई समारोह

नोजगे पब्लिक स्कूल में कक्षा बारहवीं के विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के अन्तर्गत विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। शाला प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात नृत्य एवं गायन की प्रस्तुतियों के बाद प्रतिभावान विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। सत्र 2015-16 में शैक्षणिक एवम् सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में नित्या शर्मा, देवांश जिंदल एवं कृतिका लखोटिया को सोलिटेयर अवार्ड से सम्मानित किया गया। सर्वोत्तम शैक्षणिक परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में राशी, आशुतोष गोयल एवं कृतिका मंडेजा को एमराल्ड अवार्ड से सम्मानित किया गया। सर्वोत्तम सह-शैक्षणिक परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में यशी अग्रवाल, योक्ता सोनी, दीपक सिंगल एवम् खुशवन्त सिंह को 'डायमंड' अवार्ड से सम्मानित किया गया। सत्र के सभ्य एवम् सुसंस्कृत विद्यार्थियों में अपूर्वा अरोड़ा, जसकिरन कौर एवम् निपुण कटारिया को 'रूबी' अवार्ड से सम्मानित किया गया। अन्य विद्यार्थियों को भी स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

विद्यार्थियों ने भी शिक्षकों व विद्यालय संबंधित मर्मस्पर्शी स्मृतियों से अवगत करवाया। वाणी में विद्यालय छोड़ने का गम एवम् आँखों में लक्ष्य का उत्साह लिए माहौल में विदाई समारोह सम्पन्न हुआ। अंत में संस्था प्रधान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नोजगे के विद्यार्थियों ने विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। अपनी कर्मठता द्वारा इस शृंखला को आगे बढ़ाने का संदेश देते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

'लॉ ऑफ द सीड' पर व्याख्यान

श्रीगंगानगर। विद्यालय में समय-समय पर विविध गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया जाता रहा है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए नोजगे पब्लिक स्कूल, श्रीगंगानगर में प्रेरणादायक व्याख्यान का कार्यक्रम रखा गया। इस व्याख्यान को मॉरपेन लैबोरेट्रीज लिमिटेड के कॉर्पोरेट सलाहकार अतुल गंडोतरा द्वारा अत्यंत प्रेरणादायी शब्दों में प्रस्तुत किया गया। व्याख्यान का विषय था-लॉ ऑफ द सीड ।

अत्यंत सरस व सरल शब्दों में उन्होंने बताया कि अगर हम हर कार्य को बिना किसी मानसिक दबाव और खुशी व उत्साह से करते हैं तब कार्य की सफलता संदिग्ध नहीं रहती। हर व्यक्ति अपनी क्षमता का भरपूर लाभ तभी उठा सकता है जब वह हर कार्य व हर परिस्थिति में आत्मविश्वास बनाए रखता है। हम ये निश्चित नहीं कर सकते कि लोगों को क्या करना चाहिए और क्या नहीं, परंतु हम अपने कार्य निश्चित कर सकते हैं, क्योंकि हम अपने भाग्य विधाता स्वयं हैं। उन्होंने बताया कि सफलता प्राप्त करने के लिए अनेक प्रयास करने पड़ते हैं, तभी एक सही रास्ता, एक सही प्रयास, एक सही कार्य हमें सफलता के दर्शन करवाता है। हमें किसी भी परिस्थिति में निराश होकर नहीं बैठना है क्योंकि हर एक सफलता के पीछे एक असफलता है। हमेशा सकारात्मक विचार ही हमारे जीवन को खुशियों से भरपूर कर सकते हैं।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. पी. एस. सूदन ने अतुल गंडोतरा को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया तथा उनके उत्साहवर्धक व प्रेरणादायी व्याख्यान के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विद्यालय का सम्पूर्ण स्टॉफ उपस्थित था।

Earth Day Celebrated In Nosegay

Earth Day is the name given to two different annual observances that are intended to raise awareness about a wide range of environmental issues and problems, and to inspire people to take personal action to address them. In the United States, Earth Day is celebrated by most people on April 22, but there is another celebration that predates that one by approximately a month and is celebrated internationally.

In his Earth Day statement on March 21, 1971, U Thant said, "May there only be peaceful and cheerful Earth Days to come for our beautiful Spaceship Earth as it continues to spin and circle in frigid space with its warm and fragile cargo of animate life." The United Nations continues to celebrate Earth Day each year by ringing the Peace Bell at U.N. headquarters in New York at the precise moment of the vernal equinox.

Earth Day,s message is about the personal responsibility we all share to "think globally and act locally" as environmental stewards of planet Earth has never been more timely or important.

Our planet is in crisis due to global warming, overpopulation, and other critical environmental issues. Every person on Earth shares the responsibility to do as much as they can to preserve the planet's finite natural resources today and for future generations.

World Earth Day was celebrated with great zeal on 22 April, 2016 in the school campus. Students of classes III-VIII whole heartedly participated.

Children of class IV depicted the deteriorating condition of the planet in three stages. Students pledged to keep the earth clean and green.

A tree plantation programme was carried out in school. The students cleaned their classes. The bulletin boards carried the message of Save Mother Earth.

The principal visited the classes, appreciated the efforts of the kids and motivated them to plant at least one tree on their birthdays to make their planet green.

नोजगे पब्लिक स्कूल, हनुमानगढ़ रोड, श्रीगंगानगर की प्रबंध समिति के फाउण्डर चेयरमैन प्रो. पी.एस. सूदन एवं प्राचार्य निम्फिया एस. रेड्डी के आदेशानुसार पारीक कम्प्यूटर्स, पावर हाउस रोड, श्रीगंगानगर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित 'नोजगे टाइम्स' (मासिक) स्कूल के विद्यार्थियों को नि:शुल्क वितरण हेतु है। संपादक : वत्सल

जहां आईएएस की तरह होता है अध्यापकों का चयन

शिक्षण व्यवस्था में सुधार के लिए देश के प्रतिनिधिमंडल

फिनलेण्ड से लौटे प्रबंध निदेशक डॉ.पी.एस. सूदन का साक्षात्कार

के साथ नोजगे के प्रबंध निदेशक डॉ.पी.एस. सूदन ने भी फिनलैण्ड का दौरा किया एवं वहां की शिक्षण व्यवस्था को देखा। देश में स्कूली शिक्षा में सुधार के लिए गया यह प्रतिनिधिमंडल ने वहां के शिक्षाविद् व सरकारी अधिकारियों के साथ शिक्षण व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की। शिक्षण व्यवस्था में सुधार के लिए प्रो.सूदन इससे पूर्व कई देशों का भ्रमण कर चुके हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका के कई शहरों सहित जापान एवं कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जर्मनी, स्विटजरलेंड, बेल्जियम, माल्टा की शिक्षण व्यवस्थाओं को उन्होंने बहुत करीब से देखा है और वहां की व्यवस्थाओं को अपने स्कूल में लागू भी किया है। अभी हाल ही में एक मई से दस मई तक उन्होंने फिनलैण्ड का दौरा करके लौटे हैं। प्रस्तुत है वहां की शिक्षण प्रणाली के बारे में उनके बातचीत के अंश :

वहां की शिक्षा प्रणाली कैसी लगी ?

फिनलैण्ड में शिक्षा प्रणाली को सबसे ऊपरी दर्जा दिया गया है। सत्तर के दशक से पूर्व वहां की शिक्षा प्रणाली बहुत लचर थी, परन्तु उसके बाद वहां की सरकार ने इस शिक्षा प्रणाली में सुधार करने का फैसला किया और इस प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन किया। आज इसका यह परिणाम है कि वहां की अच्छी शिक्षा प्रणाली के कारण वह देश हर दृष्टि से आगे है। वहां की शिक्षा प्रणाली पर बहुत अधिक ध्यान दिया जाता है। अन्तरराष्ट्रीय रैंकिंग प्रणाली (पीसा) के अनुसार शिक्षा के क्षेत्र में फिनलैण्ड दुनिया का नम्बर वन देश है।

अपने देश से वहां की शिक्षा प्रणाली कितनी अलग?

अपने देश में जिस तरह आईएएस का चयन किया जाता है, वहां इस तरह शिक्षकों का चयन किया जाता है। शैक्षणिक योज्यता व अंकों के साथ- साथ उनकी कम्यूनिकेशन स्किल्स, एथिक्स पर विशेष ध्यान दिया जाता है। शिक्षक चयन के लिए प्रार्थी को कई चरणों से गुजरना पड़ता है और लगभग बारह सौ अभ्यर्थियों में से एक शिक्षक का चयन किया जाता है। वहां शिक्षक के लिए न्यूनतम योज्यता स्नातकोत्तर है। जबकि अपने यहां सरकारी स्तर तक तो फिर भी लोक सेवा आयोग जैसी सरकारी एजेन्सियां चयन करती है, जबकि निजी स्कूलों में इस तरह की व्यवस्था कम है। निजी स्तर पर भी ऐसी व्यवस्था हो जाए तो अपने देश की शिक्षा प्रणाली में बहुत अधिक सुधार लाया जा सकता है।

वहां की शिक्षा व्यवस्था में सरकार का कितना सहयोग?

वहां अपने देश की तरह सरकारी व निजी स्कूलों का पैट्रन नहीं है। वहां बच्चों की पढ़ाई का पूरा खर्च व खाने पीने तक का खर्च सरकार वहन करती है। वहां स्कूल प्रबंधन को सरकार की ओर से 6 हजार यूरो (साढ़े चार लाख रुपए) दिये जाते हैं। इस राशि से बच्चों की पढ़ाई का समस्त खर्च होता है। इससे अभिभावकों पर बच्चों की पढ़ाई का बोझ नहीं पड़ता।

वहां के स्कूल में कैसा महसूस करता है विद्यार्थी

सबसे बड़ी बात यह है कि वहां बच्चे पर बंदिश नहीं है। करीब बीस विद्यार्थियों पर एक अध्यापक का अनुपात रखते हुए अध्ययन करवाया जाता है। सभी कक्षा कक्षा सुसज्जित व अत्याधुनिक तकनीक से परिपूर्ण है। इसलिए स्कूल के पांच छह घण्टे कब गुजर जाते हैं, यह विद्यार्थी को पता ही नहीं चलता। पढ़ाई के साथ- साथ विद्यार्थी को खेल व अन्य गतिविधियों में भी भाग लेने का पर्याप्त अवसर दिया जाता है।

समाज में शिक्षक को कैसा दर्जा ?

खास बात यह है कि वहां अध्यापक को समाज में उच्च दर्जा दिया जाता है। भ्रमण के दौरान शिक्षकों व विद्यार्थियों से भी बातचीत की एवं उनसे स्कूल के अनुभव बांटे। वहां के लोगों से बातचीत की तो उन्होंने अध्यापक का दर्जा सबसे ऊपर बताया।

वहां की व्यवस्था को अपने स्कूल में कितना लागू करेंगे?

वहां के कक्षा- कक्ष के अनुरूप अपने यहां के कक्षा कक्षों को बनाने के लिए कार्य करेंगे। हालांकि वहां की तरह डिजीटल क्लासरूम भी है, फिर भी उनमें और सुधार करेंगे। बच्चा स्कूल में बंदिश महसूस नहीं करे, इस तरह की शिक्षा व्यवस्था लागू करना चाहते हैं। शीघ्र ही स्टाफ की एक बैठक लेकर वहां की शिक्षा प्रणाली के बारे में अवगत कराया जाएगा और जहां तक संभव होगा, वहां की शिक्षा प्रणाली के अनुरूप व्यवस्थाएं लागू की जाएगी।

Workshop On Abacus and Mathematics

Abacus teaches children simple mathematics and removes their fear of mathematical equations. It make you ease of calculating even biggest addition, subtraction, multiplication and division. The abacus is the best way to memorize tables in which children find themselves daunting. The abacus is the perfect tool for teaching the primary or high school students. All children have a potential and capability, we just need to nurture their mind and make use the full potential of their mind.

Vedic mathematics is a system of mathematics which consists a list of basic 16 sutras. Vedic mathematics were introduced by "Hindu Scholar" of mathematics in the early age of 20th century. The calculating strategies provided by vedic mathematics are very creative and useful which can be applied in a number of many ways to calculate various methods in arithmetic and algebra. Vedic mathematics has origin in the fourth veda called "Atharva Veda". We can provide our highly effective services for vedic mathematics training which is availed by the various sector's professionals.

The highly effective and genius method is reintroduced to the entire world by Swami Bharati Krisna Tirtha ji Mahaharaj, Shankaracharya of Goverdhan Peeth. He was the person who has been gathered the lost formula from the writings of "Atharwa Veda" and rewritten them in the form of Sixteen Sutras and thirteen subsutras.

The interest in the Vedic system is developing and taking place in contemporary education system where many people and teachers are looking for the better option and have found the Vedic system is the best answer for solving even complicated equations. Many researches are being carried out in every sector including the effects of learning vedic mathematics on children. It has developed the children mind, increased the calculation capacity and is extensively used in solving geometry, calculus and computing etc. But it requires more practising, though it is the most refined and effective mathematical system.

Keeping this in mind, a workshop on ABACUS and VEDIC MATHS was oranised in the school on 29.03.2016. The workshop was conducted for the Maths faculty by the Regional Manager Mr. Mukesh Chauhan and Mr. Sonu Verma of G.A. Future Educare Pvt. Ltd.

Mr. Chauhan said that complex mathematical calculations can easily be solved by making use of the rules of Vedic Maths. The teaching of Methematics can be made more effective by its use. He also highlighted the benefits of ABACUS and its utility in winning national and international competitions. The workshop concluded with a vote of thanks by the Principal Ms. Nymphaea S. Reddy.